

पहुँच कर टिक जाना या रुक जाना, स्थापित होना, कायम होना 5. किसी विशेष क्रम से लगाया या सजाया जाना 6. व्यय या खर्च होना 7. जान पड़ना, मालूम होना 8. संबंध या रिश्ते में कुछ होना 9. आघात या चोट लगना, जलन, चुनचुनाहट, खुजली या झनझनाहट आदि का अनुभव होना, लग जाना 10. किसी खाद्य पदार्थ या किसी बात का प्रभाव या असर होना 11. दाँव पर रखा जाना, बदना 12. घात में रहना, ताक में रहना 13. मन पर गड़ना, चुभना, धँसना 14. एक प्रकार का जंगली हिरन।

**लगवार** पुं. (देश.) स्त्री का यार, उपपति, आशना, जार।

**लगातार** क्रि.वि. (देश.) बिना क्रम टूटे, सिलसिलेवार, अनवरत, निरंतर, बराबर, एक के बाद एक, सतत वि. जो निर्धारित क्रम से एक के बाद एक के हिसाब से आता हो, बिना क्रमभंग के उपस्थित होने वाला।

**लगान** पुं. (देश.) 1. वह स्थान जहाँ कुली थोड़ी देर बोझ रख कर विश्राम करे 2. लगा/सटा होना 3. लगने या लगाने की क्रिया या भाव 4. शिकार के लिए उपयुक्त पाया गया स्थान 5. खेती-बाड़ी की भूमि पर लगने वाला कर या किराया या शुल्क आदि, 6. पोत, राजस्व, जमाबंदी, नावों के ठहरने का स्थान।

**लगान-जीवी** पुं. (देश.) जिसकी गुजर बसर लगान या किराये या निवेश आदि के ब्याज से होती है, लगान पर चलने वाला।

**लगाना** स.क्रि. (देश.) 1. एक वस्तु, पदार्थ या पात्र के पृष्ठ या सतह से दूसरी वस्तु, पदार्थ या पात्र के पृष्ठ या सतह को मिलाना, जोड़ना. सटाना 2. किसी के साथ रखना या सम्मिलित करना 3. पेड़-पौधे को रोपना, जमाना 4. मलना 5. क्रम से यथास्थान रखना, चुनना 6. व्यय या खर्च करना 7. आघात करना, चोट पहुँचाना 8. किसी व्यक्ति में कोई नई प्रवृत्ति, व्यसन, चस्का आदि उत्पन्न करना 9. काम में लगा देना 10. आरोपित करना 11. अभियोग लगाना

12. नियुक्त करना 13. पशुओं को दुहना 14. गाड़ना, ठोंकना 15. पहनना, ओढ़ना।

**लगाम** स्त्री. (फा.) घोड़े के मुँह में लगाया जाने वाला वह ढाँचा जिसके दोनों ओर रस्से या चमड़े के तस्में बँधे होते हैं, जिनसे घोड़े को दिशा दी जाती है, रास, बाग।

**लगार** स्त्री. (देश.) नियमपूर्वक, नित्य या बराबर काम करना, बंधी, बंधेज, लगाव, संबंध, सिलसिला, तार, प्रेम, क्रम, लगन, लौ, वैर, विरोध, शत्रुता, लवलीन, प्रेम, प्रीति, मुहब्बत, किसी की ओर से रखा गया भेदिया वि. मेल मिलाप या संबंध रखने वाला, मेली, संबंधी क्रि.वि. एकत्र होकर।

**लगालगी** स्त्री. (देश.) 1. लाग, लगन, प्रेम, स्नेह, प्रीति 3. संबंध, मेलजोल 3. वैर-विरोध के कारण होने वाली प्रतिस्पर्धा, उलझने की क्रिया 4. लाग डाँट, लगने या लगाने की क्रिया 5. देखा-देखी, चोरों का उपद्रव।

**लगाव** पुं. (देश.) लगे रहने का भाव, संबंध, ताल्लुक, वास्ता, संबद्धता, आकर्षण, आसक्ति, प्रेम।

**लगावट** स्त्री. (देश.) संबंध, वास्ता, लगाव, प्रेम या आपसदारी के संबंध, रब्त-जब्त, प्रीति, मुहब्बत, आकर्षण, आसक्ति।

**लगावन** पुं. (देश.) लगने वाली या लगी हुई कोई वस्तु; लगाव स्त्री. रोटी के साथ खायी जाने वाली चीज, तीवन, सालन।

**लगि** स्त्री. (देश.) प्रेम, लगन, लगगी अर्थात् लंबा-पतला बाँस जो अनेक प्रकार से काम में आए, छोटा लगगा, लकसी, लगघा क्रि.वि. (देश.) संलग्न होकर, लगकर, तक, पर्यंत अव्य. समीप, पास, पर्यन्त, तक वास्ते लिए, साथ, संग।

**लगी** स्त्री. (देश.) पर-पुरुष या पर-स्त्री के साथ प्रेम-संबंधों की क्रिया या भाव, ख्वाहिश, प्रेम या मेल जोल, कुछ वैर-विरोध के कारण प्रतिस्पर्धा, लाग-डाँट, भूख, संलग्न।